(b) The feasibility of changing the timings of 1 ATD Agra-Delhi Passenger so as to leave Ghaziabad at 17.30 hrs. is under examination.

**उत्तर प्रदेश में अखबारी कागज का कारखाना स्थापित करना**

1218. **श्री मोलहू प्रसाद :**
**श्री ओमप्रकाश त्यागी :**
**श्री रामस्वरूप विद्यार्थी :**

क्या **औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर प्रदेश में एक अखबारी कागज का कारखाना स्थापित करने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है;

(ख) यदि हां, तो इस प्रयोजन के लिये कहां पर स्थान चुना गया है;

(ग) क्या सरकार को इस तथ्य की जानकारी है कि मेरठ के हस्तिनापुर क्षेत्र में एक विशेष प्रकार की घास उगती है जो कागज के उत्पादन के लिये बहुत उपयोगी होती है; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार हस्तिनापुर में एक अखबारी कागज का कारखाना स्थापित करने का है ?

**औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद)**: (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

(ग) और (घ). जी, नहीं ।

**मेरठ-नई दिल्ली शटल रेलगाड़ी के तीसरे दर्जे के डिब्बों में पंखों तथा रोशनी की व्यवस्था**

1219. **श्री मोलहू प्रसाद** : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को विदित है कि मेरठ-नई दिल्ली शटल रेलगाड़ी के तीसरे दर्जे के डिब्बों में पंखों तथा रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है जबकि दूसरे दर्जे के डिब्बों में ये सुविधायें उपलब्ध हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या इस विषमता को दूर करने के लिये तुरन्त कार्यवाही की जायेगी;

(ग) क्या यह सच है कि रेलवे अधिकारी इस शटल गाड़ी को कई स्थानों पर रोक देते हैं जिससे वह अपने गन्तव्य स्थान पर देर से पहुंचते हैं;

(घ) क्या इससे कीमती सरकारी समय बर्बाद होता है क्योंकि अनेक सरकारी कर्मचारी इस गाड़ी में यात्रा करते हैं; और

(ङ) यदि हां, तो इस मामले में सुधार करने के लिये क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

**रेलवे मंत्री (डा० राम सुभग सिंह)**: (क) और (ख). दूसरे और तीसरे, दोनों दर्जों के डिब्बों में रोशनी और पंखों की पर्याप्त व्यवस्था है । फिर भी, ऐसी घटनाएं हुई हैं जब उपकरणों की बड़े पैमाने पर चोरियों तथा उठाईगीरी के कारण इस गाड़ी की सभी बत्तियां और पंखे बन्द पड़ गये । जनित्र उपस्करों को फिर से चालू करने तथा बत्तियों और पंखों के उपकरणों की पूर्ण व्यवस्था करने के सम्बन्ध में सभी प्रयास किये जा रहे हैं ।

(ग) से (ङ). 2एन०एम० मेरठ-नई दिल्ली शटल के रास्ते में कभी-कभी रुके रहने का कारण खतरे की जंजीर का खींचा जाना, अन्य गाड़ियों से क्रास होना, आदि है । परिहार्य विलम्ब के सभी मामलों में कार्रवाई की जाती है ताकि ऐसे विलम्ब न होने पाये ।

**Closure of Uneconomic Branch Lines on Northeast Frontier Railway**

1220. SHRI P.C. ADICHAN:
SHRI HARDAYAL DEVGUN:

SHRI JAI SINGH:
SHRI YAJNA DATT SHARMA:
SHRI H. AJMAL KHAN:
SHRI R.R. SINGH DEO:
SHRI MEETHA LAL MEENA:
SHRI R.K. AMIN:
SHRI S.P. RAMAMOORTHY:
SHRI SHIV KUMAR SHASTRI:
SHRI PRAKASH VIR SHASTRI:
SHRI SHIV CHARAN LAL:
SHRI HEM BARUA:
SHRI N. SHIVAPPA:
DR. KARNI SINGH:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the Railway Division Birodhi Karama Parishad had in a memorandum submitted to the Union Deputy Railway Minister in May this year opposed the closure of uneconomic branch lines on the Northeast Frontier Railway;

(b) if so, what were their submissions in this regard;

(c) Government's decision thereon; and

(d) what is the Government's latest policy in regard to the closure of uneconomic lines in the country generally and which are the so-called uneconomic lines?

THE MINISTER OF RAILWAYS (DR. RAM SUBHAG SINGH): (a) and (b). In a memorandum submitted on 27th May, 69, the Parishad made the following points:—

(i) The N.F. Railway requires proper realignment, to make it serve the traffic needs better;

(ii) The speeds of trains should be improved;

(iii) Operating expenses are needlessly excessive; and

(iv) Claims arising out of theft, shortage and damage should be controlled.

(c) The memorandum was submitted to the Committee recently set up to review the working of the uneconomic lines. The Committee will; no doubt, take cognisance of the points made by the Parishad in its memorandum.

(d) The latest policy is that for the present no uneconomic branch line will be dismantled. As per present reckoning, there are 77 uneconomic branch lines on the Indian Government Railways. A list of these lines is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT—1411/69].

**Closure of Small Scale Industries in Amritsar**

1221. SHRI P. C. ADICHAN: Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether a number of small industries producing screws, nuts, bolts and other small steel items had been closed down in Amritsar and other places during the past three months owing to the scarcity of raw material;

(b) if so, the number of such units closed down or partially closed down during the said period and the number of work-days lost to these industries on this account;

(c) how far the production of these items suffered as a result of this closure; and

(d) the steps taken by Government to help the industries to revive full production?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED): (a) to (d). The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

**Bye-Elections to Jammu and Kashmir Legislature**

1222. SHRI NARAIN SWARUP SHARMA:
SHRI OM PRAKASH TYAGI:
SHRI RAM SWARUP VIDYARTHI:
SHRI J. SUNDER LAL:
SHRI BAL RAJ MADHOK:

Will the Minister of LAW AND SOCIAL WELFARE be pleased to state: